'पिच परफेक्ट महाकुम्भ 2025' • परफेक्ट मैनेजमेंट पर स्टूडेंट्स ने दिए सुझाव

आईओटी मॉनिटरिंग से टायलेट की सफाई होगी ऑटोमेटिक, टाइल्स से मिलेगी बिजली

सिटी रिपोर्टर. रायपुर

आईआईएम रायपुर में आंत्रप्रेन्योरिशप सेल की ओर से नेशनल लेवल बिजनेस केस कॉम्पिटिशन 'पिच परफेक्ट महाकुंभ 2025' का आयोजन किया गया। कॉम्पिटिशन में देशभर के आईआईटी, आईआईएम और अन्य संस्थानों के स्टूडेंट्स शामिल हुए। इन्होंने विश्व के सबसे बड़े कुंभ, "प्रयागराज महाकुंभ 2025" में संभावित कमियों की पहचान कर उन्हें दूर करने के उपाय के बारे में जानकारी दी। प्रतियोगिता दो चरणों में आयोजित हुई। पहला चरण ऑनलाइन संपन्न हुआ, जिसमें से चयनित स्टूडेंट्स को दूसरे चरण के लिए चुना गया। दूसरा चरण आईआईएम रायपुर में संपन्न हुआ, जहां चयनित टीमों ने अपने आइडिया प्रजेंट किए। कॉम्पिटिशन में आईजीकेवी के यंग माइंड्स क्लब, एनआईटी, ट्रिपलआईटी के स्टूडेंट्स ने भी चर्चा और विचार प्रस्तुत किए। आईआईएम के प्रो. शांतनु भद्र और आईजीकेवी के प्रो. निखिल तिवारी ने स्टूडेंट्स के विचारों की रचनात्मकता और कार्यान्वयन योजनाओं का मूल्यांकन किया।

सफाई की समस्या, सेल्फ क्लीनिंग शौचालय समाधान

आईआईएम रायपुर की टीम हसलर्स ने प्रतियोगिता में पहला स्थान प्राप्त किया। टीम मेंबर अदिति चौबे और रत्नेश प्रताप सिंह ने बताया कि, हमारा मैनेजमेंट सिस्टम महाकुंभ 2025 में स्वच्छता समस्याओं को हल करने पर केंद्रित था। इसके लिए ही हमने स्मार्ट सेल्फ क्लीनिंग शौचालय का कॉन्सेप्ट तैयार किया है। महाकुंभ में सबसे ज्यादा समस्या शौचालय के रख-रखाव और सफाई की थी। हमारा प्रस्तावित सिस्टम रियल टाइम आईओटी बेस्ड होगा। इससे पता चलता रहेगा कि शौचालय साफ है या नहीं। साफ नहीं होने पर ऑटोमेटिक सफाई चक्र शुरू हो जाएगा। इसमें पर्यावरण के अनुकूल अपशिष्ट निपटान और जल-संरक्षण सिस्टम शामिल है। इस परियोजना का उद्देश्य लाखों श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छता सुनिश्चित करना, साथ ही इसे प्रायोजन, प्रति-उपयोग शुल्क और सरकारी अनुदानों के माध्यम से वित्तीय रूप से टिकाऊ बनाना है।

नवीकरणीय ऊर्जा का स्रोत बनेंगी एनर्जी टाइल्स

टी ए पाई मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट कोलकाता की टीम वॉर्टेक्स ने कॉम्पिटिशन में दूसरा स्थान प्राप्त किया। टीम ने काइनेटिक एनर्जी टाइल्स का आइडिया दिया। काइनेटिक एनर्जी टाइल्स प्रत्येक कदम से 5-7 वाट बिजली उत्पन्न करेगी, जिससे प्रतिदिन 3 लाख किलोवॉट तक ऊर्जा उत्पन्न की जा सकती है। इसे लिथियम-आयन बैटरी में रिजर्व कर उपयोग कर सकते हैं।

विश्लेषण से मिलेगा अवसर

कार्यक्रम में राज्य जैव विविधता बोर्ड के अध्यक्ष राकेश चतुर्वेदी मौजूद रहे। उन्होंने स्टूडेंट्स से कहा कि, नई पीढ़ी के युवाओं ऐसे बड़े इवेंट का अध्ययन कर उसकी कमियों को दूर करने में मदद कर सकते हैं। स्टूडेंट्स के विश्लेषण के आधार पर दिए जाने वाले सुझाव का उपयोग आने वाले समय में देश में होने वाले बड़े में किए जा सकते हैं।

Dainik Bhaskar, 18 March 2025, P.02 (City Bhaskar)